Raj Express (Indore), 17th January 2026, Page- 04

कैंपस

देशभर के 23 संस्थान हुए शामिल, स्पोर्ट्स, कल्चरल मीट में बेहतर प्रदर्शन

उपलब्धि: आईआईटी इंदौर बना पहला सेकंड जेनरेशन संस्थान

आईआईटी पटना में इंटर-आईआईटी टेक मीट 14.0, 58 वीं इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट और आईआईटी कानपुर में आयोजित इंटर-आईआईटी कल्चरल मीट 8.0

• इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर के छात्रों का इंटर-आईआईटी टेक्निकल, स्पोर्ट्स और कल्चरल मीट में बेहतर प्रदर्शन रहा। छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर के इंटर आईआईटी प्लेटफॉर्म पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसमें आईआईटी पटना में इंटर-आईआईटी टेक मीट 14.0, 58 वीं इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट 2025 और आईआईटी कानपुर में आयोजित इंटर-आईआईटी कल्चरल मीट 8.0 शामिल है। आईआईटी इंदौर ने 23 आईआईटी के बीच समग्र रूप से तीसरा स्थान हासिल करके एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया, जो प्रतियोगिता के इतिहास में समग्र रूप से ऐसे मंच पर पहुंचने वाला पहला सेकंड जेनरेशन आईआईटी बन गया।

महिला बैडमिंटन व वॉलीबॉल में चौथा स्थान

आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी मद्रास और आईआईटी तिरुपति में आयोजित हुए 58वें इंटर-आईआईटी स्पोर्ट्स मीट 2025 में, आईआईटी इंदौर के छात्रों ने कई तरह के खेलों में दृढ़ संकल्प, टीम वर्क और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया। जहां महिला बैडमिंटन और वॉलीबॉल टीम ने सभी आईआईटी में चौथा स्थान हासिल किया, जो इंटर- आईआईटी स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि है, वहीं शतरंज टीम चौथे स्थान पर रही, जो ज़्यादा रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ मजबूत और लगातार बेहतर प्रदर्शन को दिखाता है। जबकि, पुरुष फुटबॉल टीम क्वार्टर फायनल तक पहुंची और टॉप टीमों में शामिल रही। क्रिकेट, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, स्क्वैश, टेनिस, टेबल टेनिस और वेटलिफ्टिंग में लगातार बेहतर प्रदर्शन ने अलग-अलग खेलों में बढ़ती गहराई और तैयारी को दिखाया।

174 छात्रों का सबसे बड़ा कल्चरल दल उतारा

आईआईटी कानपुर की ओर से आयोजित किए गए इंटर- आईआईटी कल्चरल मीट 8.0 में, आईआईटी इंदौर ने 174 छात्रों का अपना अब तक का सबसे बड़ा कल्चरल दल उतारा, जिसने परफॉर्मिंग आर्ट्स, डिजिटल आर्ट्स, फाइन आर्ट्स, लिटरेरी आर्ट्स, फैशन, कुलिनरी आर्ट्स और दूसरी कल्चरल कैटेगरी में हिस्सा लिया। संस्थान ने फैशन शो में गोल्ड पोजीशन हासिल की, जो इस कैटेगरी में पहली बार हिस्सा लेने के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

मेकर स्पेस रहा सफलता का मुख्य कारण

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा, मीट में हमारी सफलता का एक मुख्य कारण संस्थान का मेकर स्पेस रहा है, जो आईआईटी को एडवांस्ड टूल्स, रैपिड प्रोटोटाइपिंग सुविधाओं और ऐसे परिवेश तक सीधी पहुंच देता है जो प्रयोग और इनोवेशन को बढ़ावा देता है। आईआईटी इंदौर के अधिष्ठाता, छात्र कार्य, प्रोफेसर आमोद उमरीकर ने कहा, इंटर-आईआईटी आयोजनों में लगातार सुधार हमारे छात्र पारिस्थितिकी तंत्र की परिपक्वता और संरचित परामर्श और तैयारी की प्रभावशीलता पर नजर डालता है।